

**अबैंकीय वि.** (तत्.+अं.) बैंक या बैंकों (के कार्य) से भिन्न non-banking

**अबोध पुं.** (तत्.) अज्ञान, मूर्खता, नासमझी वि. 1. नादान, अज्ञानी 2. अनजान।

**अबोधगम्य वि.** (तत्.) 1. जिसको समझा न जा सके 2. समझ से परे 3. जटिल।

**अबोध्य वि.** (तत्.) जो समझ में न आ सके, समझ में न आने योग्य, अबूझ।

**अबोल वि.** (देश.) अबोला उदा. दुख के कारण वह अबोल ही रहा और उसने कोई बात नहीं की पुं. (तद्.) कुबोल, बुरी बोली प्रयो. शुभ अवसर पर अबोल न बोलो।

**अबोला वि.** (देश.) बातचीत बंद होना या न होना।

**अबोली वि.** (तद्.) 1. जो बोली नहीं गई हो 2. न बोली जाने वाली।

**अब्ज पुं.** (तत्.) (अप-अर्थात्) जल से उत्पन्न, कमल पर्या. नीरज, वारिज, तोयज, जलज 2. शंख, चंद्रमा, कपूर 3. सौ करोड़ या अरब की संख्या।

**अब्जद पुं.** (अर.) 1. अरबी-फारसी वर्णमाला, अलिफ, बे आदि 2. अरबी अक्षरों का वह क्रम जिसमें हर अक्षर से अंक या संख्या सूचित होती है।

**अब्जिनी स्त्री.** (तत्.) 1. कमलवन 2. किसी जलाशय में कमलों का समूह।

**अब्तर पुं.** (अर.) दुर्दशा से युक्त, निकृष्ट, अव्यवस्थित।

**अब्तरी स्त्री.** (अर.) दुर्दशा, संकट, अव्यवस्थितता।

**अब्द पुं.** (तत्.) 1. वर्ष, साल 2. बादल, मेघ।

**अब्दकोश पुं.** (तत्.) वर्ष-विशेष की घटनाओं, इतिवृत्त, महत्वपूर्ण व्यक्तियों, स्थलों, उपलब्धियों की सूचना देने वाला वार्षिक प्रकाशन दे. वार्षिकी।

**अब्दुर्ग पुं.** (तत्.) पानी की खाई से घिरा हुआ किला।

**अब्धि पुं.** (तत्.) जलधि, समुद्र पर्या. नीरधि, तोयधि, पयोधि ।

**अब्धिज वि.** (तत्.) [अब्धि=समुद्र+ज] 1. समुद्र से उत्पन्न 2. चंद्रमा 3. शंख।

**अब्धिजा स्त्री.** (तत्.) लक्ष्मी, वारुणी।

**अब्धिफेन पुं.** (तत्.) समुद्री झाग, समुद्र का फेन।

**अब्धिशयन पुं.** (तत्.) 1. विष्णु 2. समुद्रशयन, सागर में विश्राम।

**अब्ध्यग्नि स्त्री.** (तत्.) समुद्र की अग्नि, बड़वाग्नि, बड़वानल, वाडवानल।

**अब्बा पुं.** (फा.) पिता, बाप।

**अब्बाजान पुं.** (अर.) पिता के लिए आदरसूचक शब्द, पिताजी।

**अब्बास पुं.** (अर.) 1. हजरत मुहम्मद के चाचा 2. गुलाबांस नामक पौधा जिसकी जड़ और फूल दवा के काम आते हैं वि. रखे स्वभाव वाला।

**अब्बासी स्त्री.** (अर.) मिस्र देश की एक प्रकार की काली-नीली कपास वि. अब्बास के फूल के रंग वाला, लाल 2. हजरत अब्बास का वंशज।

**अब्बाजी वि.** (देश.) जिस पर ब्याज नहीं मिलता।

**अब्र पुं.** (तद्.) बादल, मेघ, अभ्र।

**अब्रक पुं.** (तद्.) दे. अबरख।

**अब्रह्मचर्य पुं.** (तत्.) 1. ब्रह्मचर्य के विपरीत 2. ब्रह्मचर्य का अभाव।

**अब्रह्मण्य पुं.** (तत्.) ब्राह्मणोचित कर्म के विपरीत कर्म जो ब्राह्मणोचित न हो, निर्दित, जघन्य।

**अब्राह्मण पुं.** (तत्.) जो ब्राह्मण न हो, ब्राह्मण से भिन्न जाति का व्यक्ति।

**अब्राह्मण्य पुं.** (तत्.) 1. ब्राह्मण के कर्तव्य का अभाव। 2. ब्राह्मणकर्तव्य का उल्लंघन।

**अभंग वि.** (तत्.) जो भंग न हुआ हो, अखंड, अटूट, पूर्ण पुं. (तत्.) 1. संगीत की एक ताल जिसमें एक लघु एक गुरु और दो प्लुत मात्राएँ